जमुना कृष्णन

अकादेमी पुरस्कार : भरतनाट्यम

12 मार्च 1943 में नई दिल्ली में जन्मी, श्रीमती जमुना कृष्णन ने भरतनाट्यम में अपना प्रशिक्षण थंजावुर विद्यालय के के. जे. गोविंदराजन और बाद में कलानिधि नारायण से प्राप्त किया. इसके अतिरिक्त आपने एस. गोपालकृष्ण से कर्नाटक संगीत में प्रशिक्षण प्राप्त किया। आप अर्थशास्त्र में निष्णात उपाधि प्राप्त हैं और लगभग 25 वर्षों तक आपने दिल्ली के इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में शिक्षण प्रदान किया है।

आज श्रीमती जमुना कृष्णन की गिनती भरतनाट्यम के प्रतिष्ठित कलाकारों और शिक्षकों में होती है. इसके अतिरिक्त आपको इस नृत्य शैली में एक अभिनव नृत्य निर्देशिका के रूप में भी जाना जाता है। आपके कार्य का मुख्य केंद्र उत्तर भारत के भक्ति काव्य के साथ–साथ नए व पुराने तमिल काव्य पठन को ध्यान में रखते हुए भरतनाट्यम की नृत्य नाटिकाओं का नवीकरण करना रहा है। और उनकी यह यात्रा विद्यापति के गहन अध्ययन से प्रारंभ हुई, जिनकी कविताओं को आपने वर्णम स्वरूप में व्यक्त किया। उसके बाद सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई तथा कबीर की रचनाओं का अध्ययन करते हुए अपनी इस खोज यात्रा को जारी रखा। आपने भरतनाट्यम में नृत्यकलाओं की रचना करने के लिए तमिल में अल्वार्स (Alwars) के दिव्यप्रबंधम्स (*divyaprabandhams*), प्राचीन संगम साहित्य, मानिक्कावाचकर (Manikkavachakar) का तिरुवाचकम (*Tiruvachakam*), थिरुक्कुरल (*Thirukkural*), तथा सुब्रहमण्य भारती की कृतियों का भी अध्ययन किया। दिल्ली में स्थित अपनी नृत्यशाला, कलांगन में आपने भारत और विदेश के बहुत से नर्तक नर्तकियों को प्रशिक्षित किया है. श्रीमती कृष्णन विदेशों में कई कार्यशालाएं आयोजित कर चुकी हैं, जिसमें फ्रांस में एसोसिएशन दि रिशरच देस ट्रेडिशन्स दि एल एक्टर (Association de Recherche des Traditions de l'Acteur) में अभिनय, रामायण, और थिरुक्कुरल (2002–4) पर आधारित लगातार आयोजित तीन कार्यशालाएं सम्मिलित हैं। आपने भक्ति काव्य पर लेख भी प्रस्तुत किए हैं. वह ग्रामीण हरियाणा के चुनिंदा विद्यालयों में शुरू की गई सामान्य शिक्षा के साथ कला के एकीकरण अध्यापन में भी शामिल हैं.

नृत्य के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए, श्रीमती जमुना कृष्णन को साहित्य कला परिषद, दिल्ली (2003) द्वारा प्रदत्त परिषद सम्मान सहित अन्य कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती जमुना कृष्णन को भरतनाट्यम में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।